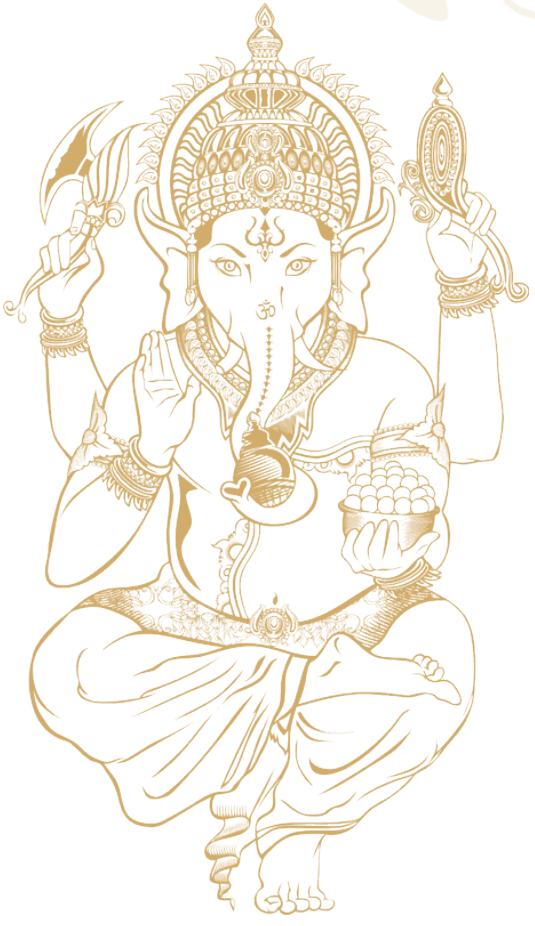

Ravindra singh

Isha singh gaur

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121245501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121245501 Date: 11/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/09/1990	जन्म तिथि	13-14/11/1992
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 02:25:00	जन्म समय	05:00:00 घंटे
घटी 51:12:51	जन्म समय(घटी)	56:23:42 घटी
India	देश	India
Kanpur	स्थान	Ambala
26:27:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
80:19:00 पूर्व	रेखांश	76:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:44	स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:55:51	सूर्योदय	06:46:56
18:09:01	सूर्यास्त	17:27:03
23:43:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:43

कर्क	लग्न	तुला
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	मिथुन
बुध	राशि-स्वामी	बुध
हस्त	नक्षत्र	आर्द्रा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	2
शुक्ल	योग	साध्य
बव	करण	बालव
पू-पुरुषोत्तम	जन्म नामाक्षर	घ-घटी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	श्वान
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 10मा 19दि		15:38:56	कर्क	लग्न	तुला	04:27:25	राहु 9वर्ष 11मा 15दि	
गुरु		02:55:36	कन्या	सूर्य	तुला	28:05:13	शनि	
10/08/2023		12:49:02	कन्या	चंद्र	मिथु	12:37:23	30/10/2018	
10/08/2039		14:42:39	वृष	मंगल	कर्क	02:24:55	30/10/2037	
गुरु	27/09/2025	16:18:23	सिंह	बुध व	वृश्चि	14:05:56	शनि	02/11/2021
शनि	09/04/2028	12:41:30	कर्क	गुरु	कन्या	13:04:36	बुध	12/07/2024
बुध	16/07/2030	21:47:09	सिंह	शुक्र	धनु	06:46:27	केतु	21/08/2025
केतु	22/06/2031	24:58:56	धनु व	शनि	मक	18:45:36	शुक्र	21/10/2028
शुक्र	20/02/2034	12:26:55	मक व	राहु	वृश्चि	27:56:07	सूर्य	03/10/2029
सूर्य	09/12/2034	12:26:55	कर्क व	केतु	वृष	27:56:07	चन्द्र	04/05/2031
चन्द्र	09/04/2036	11:52:49	धनु	हर्ष	धनु	21:23:51	मंगल	12/06/2032
मंगल	16/03/2037	18:04:14	धनु व	नेप	धनु	23:01:28	राहु	19/04/2035
राहु	10/08/2039	22:05:34	तुला	प्लूटो	तुला	29:03:54	गुरु	30/10/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:43:53 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:43

लग्न-चलित

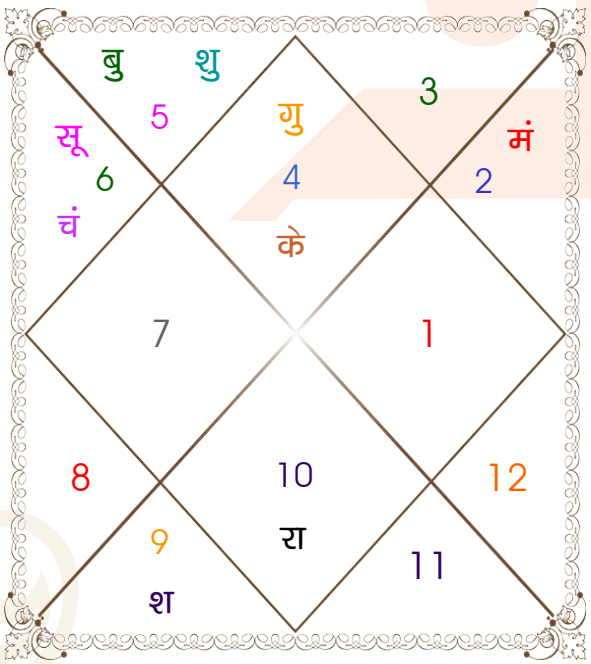

लग्न-चलित

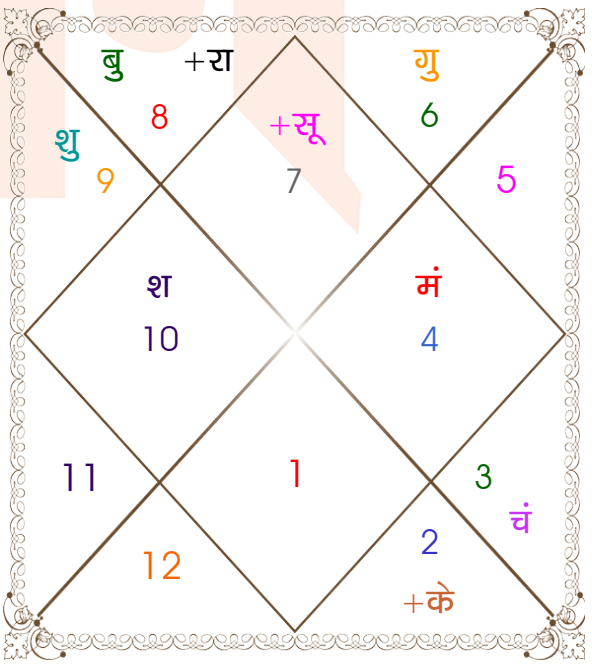

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

कुल : **24.5 / 36**

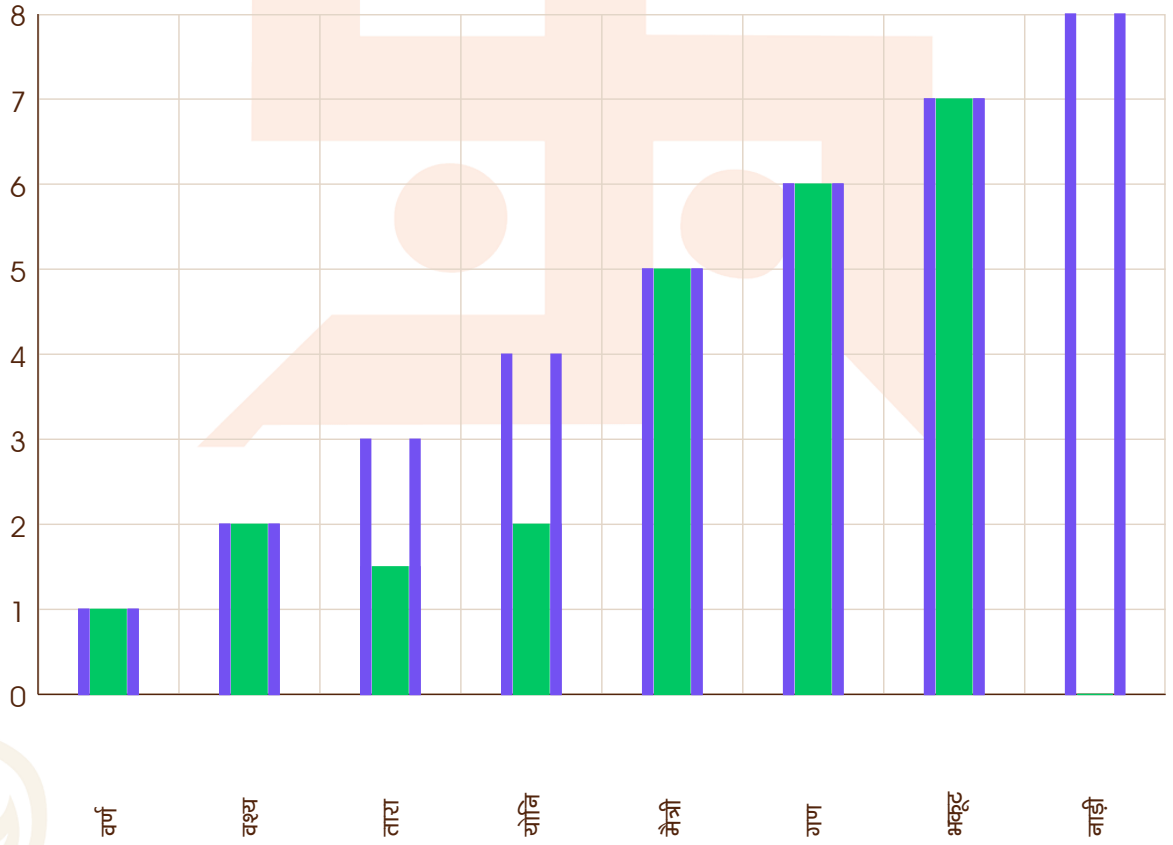

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि पैं पदही हंनत का नक्षत्र आर्द्रा है।

Ravindra singh का वर्ग मूषक है तथा पैं पदही हंनत का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ravindra singh और पैं पदही हंनत का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Ravindra singh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

पैं पदही हंनत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ravindra singh तथा पैं पदही हंनत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Ravindra singh का वर्ण वैश्य है तथा पैं`पदही हंनत का वर्ण शूद्र है। इसमें पैं`पदही हंनत का वर्ण Ravindra singh के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप पैं`पदही हंनत अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए पैं`पदही हंनत हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Ravindra singh का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं पैं`पदही हंनत का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Ravindra singh एवं पैं`पदही हंनत दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Ravindra singh की तारा मित्र तथा पैं`पदही हंनत की तारा विपत है। पैं`पदही हंनत की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Ravindra singh एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि पैं`पदही हंनत का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Ravindra singh की योनि महिष है तथा पैं`पदही हंनत की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Ravindra singh एवं पैं`पदही हंनत  दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Ravindra singh एवं पैं`पदही हंनत दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Ravindra singh का गण देव तथा पैं`पदही हंनत  का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु पैं`पदही हंनत अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Ravindra singh से पैं`पदही हंनत  की राशि दशम भाव में स्थित है तथा पैं`पदही हंनत से Ravindra singh की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Ravindra singh एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही

खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। पैं`पदही हंनत को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। पैं`पदही हंनत हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Ravindra singh की नाड़ी आद्य है तथा पैं`पदही हंनत की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Ravindra singh एवं पैं`पदही हंनत दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Ravindra singh की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा पैं`पदही हंनत की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। यद्यपि पृथ्वी तत्व एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता का भाव रहता है परन्तु कन्या मिथुन में राशीश की समानता के कारण इनमें स्वाभाविक गुणों में समानता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की प्राप्ति होगी। अतः परस्पर मिलान अनुकूल रहेगा।

Ravindra singh की जन्मराशि एवं पैं`पदही हंनत की जन्मराशि दोनों का स्वामी बुध है। अतः इसके शुभ प्रभाव से Ravindra singh और पैं`पदही हंनत के मध्य प्रेम, सहानुभूति सहयोग तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा तथा एक दूसरे की सुख दुख में सहायता के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। ये दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः परस्पर समानता एवं स्नेह का भाव रहेगा एवं सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

Ravindra singh और पैं`पदही हंनत की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती हैं। इसे शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Ravindra singh और पैं`पदही हंनत जीवन में सुख संसाधनों को अर्जित करने में प्रवृत रहेंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही इनके मध्य परस्पर सामंजस्य का भाव भी रहेगा फलतः एक दूसरे को भली प्रकार समझने में समर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

Ravindra singh और पैं`पदही हंनत दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में प्रबल समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे।

Ravindra singh का वर्ण वैश्य तथा पैं`पदही हंनत का वर्ण शूद्र है। अतः Ravindra singh की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वणिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही पैं`पदही हंनत बिना किसी चुनाव के किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी जिससे इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

Ravindra singh और पैं`पदही हंनत दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Ravindra singh और पैं`पदही हंनत दोनों की आद्य नाड़ी है। इससे नाड़ी दोष का आभास होता है परन्तु दोनों की राशि का स्वामी एक ही ग्रह है तथा नक्षत्र भिन्न भिन्न हैं। अतः इससे उपरोक्त नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है। साथ ही मंगल का भी Ravindra singh और पैं`पदही हंनत दोनों में से किसी के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है। अतः उत्तम स्वास्थ्य की दृष्टि से यह मिलान अच्छा रहेगा तथा इसके शुभ प्रभाव से वे उत्तम स्वास्थ्य से युक्त रहेंगे तथा परस्पर प्रभाव से सुख तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Ravindra singh और पैं`पदही हंनत का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Ravindra singh और पैं`पदही हंनत के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में पैं`पदही हंनत के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन पैं`पदही हंनत को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में पैं`पदही हंनत को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Ravindra singh और पैं`पदही हंनत सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Ravindra singh और पैं`पदही हंनत का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

पैं`पदही हंनत के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद पैं`पदही हंनत अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से पैंपदही हंनत पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि पैंपदही हंनत अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Ravindra singh तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Ravindra singh के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Ravindra singh को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Ravindra singh के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Ravindra singh के प्रति अनुकूल ही रहेगा।